रिसर्च के लिए ऐसे विषय का चुनाव करें जो रियल लाइफ में आ सके काम

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

आईआईएम रायपुर की ओर से डिजिटल इकोनॉमी पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और 14वां आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। बिल्डिंग न्यू डिजिटल इकोसिस्टम पर हो रहे तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम के पहले दिन पीएचडी रिसर्चर्स के लिए शोध क्षमताओं के निर्माण और पेपर डेवलपमेंट विषय पर वर्कशॉप हुई। इसमें मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो श्रीराम नारायणन, दक्षिण फ्लोरिडा विवि, यूएसए के प्रो सुनील मिठास और योन्सेई विवि, दक्षिण कोरिया के प्रो ही-वूंग-किम डॉक्टरल परिचर्चा में स्टूडेंट्स के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने रिसर्च को कैसे इम्प्रूव करें, रिसर्च क्वेश्चन करने के बेस्ट तरीके क्या हैं, पब्लिकेशन के लिए क्यों करें जैसे कई सवालों के जवाब दिए। एक्सपर्ट्स ने कहा कि रिसर्च के लिए हमें ऐसे विषय का चुनाव करना चाहिए जो परिणाम सामने आने पर आम इंसान के काम आ सके या व्यक्ति की जिंदगी आसान कर सके। रिसर्चर्स रियल लाइफ प्रॉब्लम के जुड़े विषयों पर फोकस करें। रिसर्च के दौरान आपने जो भी प्रयोग और सर्वेक्षण किया है उसका पूरा रिकॉर्ड रखें।

मैनेजमेंट एजुकेशन के भविष्य पर करेंगे चर्चा: कार्यक्रम के तहत 29 दिसंबर को भारत में मैनेजमेंट एजुकेशन के भविष्य विषय पर चर्चा की जाएगी। इसमें आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो भारत भास्कर, आईआईएम संबलपुर के डायरेक्टर प्रो महादेव जायसवाल व अन्य विचार रखेंगे।

Dainik bhasker, 28th Dec. 2020,p.5.jpg